हिन्दी विभाग
टी. पी. एस. कॉलेज, पटना

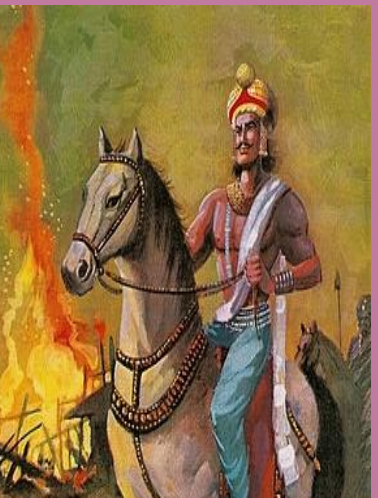

हिन्दी प्रतिष्ठा, प्रथम वर्ष
प्रथम पत्र : “चन्द्रगुप्त”
डॉ. जावेद अख्तर खाँ

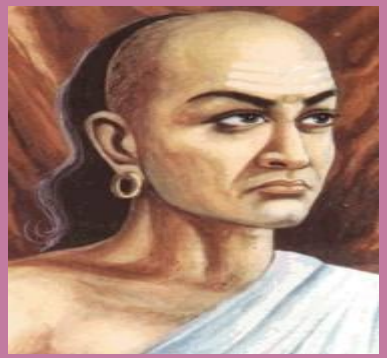

“चन्द्रगुप्त” नाटक : सप्रसंग अथवा सन्दर्भ-सहित व्याख्या कैसे करें?

१. प्रस्तुत पंक्तियाँ कहाँ से ली गई हैं एवं रचनाकार का नामोल्लेख

(उदाहरणार्थ: उपर्युक्त/उपरिलिखित/प्रस्तुत पंक्तियाँ .....अंक एवं दृश्य का उल्लेख करें।.)

२. प्रस्तुत पंक्तियों का भावार्थ (केवल एक वाक्य में)

सप्रसंग व्याख्या

(दूसरा अनुच्छेद {नेक्स्ट पैराग्राफ})

३. प्रस्तुत पंक्तियों का प्रसंग, अथवा सन्दर्भ का उल्लेख (जैसे-- ये पंक्तियाँ कौन, किससे कह रहा है, किस प्रसंग, घटना के बाद, कथानक पूर्वापर प्रसंग का विस्तार से उल्लेख)

(तीसरा अनुच्छेद)

४. पंक्तियों का सरल भावार्थ

५. पंक्तियों का विशिष्ट अर्थ एवं व्याख्या-विस्तार

सप्रसंग व्याख्या

(चौथा अनुच्छेद)

६. पंक्तियों की भाषा-शैली (जैसे-- पंक्तियों में तत्सम, अथवा तद्भव, देशज, विदेशज शब्द, उदहारणसहित)

७. पंक्तियों में अलंकार, बिम्ब, प्रतीक का स्पष्ट उल्लेख

८. निष्कर्ष